12.45 hrs.

SALARIES AND ALLOWANCES OF MINISTERS (AMENDMENT) BILL*

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI CHARAN SINGH): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Salaries and Allowances of Ministers Act, 1952.

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Salaries and Allowances of Ministers Act, 1952."

The motion was adopted.

SHRI CHARAN SINGH: I introduce the Bill.

12.46 hrs.

LADY HARDINGE MEDICAL COLLEGE AND HOSPITAL (ACQUISITION) AND MISCELLANEOUS PROVISIONS BILL*

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री राज नारायण) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र में महिलाओं के लिए आयु-विज्ञान की उच्च शिक्षा के लिए अधिक अच्छी सुविधायें तथा महिलाओं और बच्चों के लिए चिकित्सीय सुविधायें सुनिश्चित करने की दृष्टि से लेडी हार्डिंग आयुर्विज्ञान महाविद्यालय और अस्पताल के अर्जन करने का और कलावती शरण अस्पताल के प्रबंध का तथा उन से सम्बन्धित या उन के आनुषंगिक विषयों का उपबन्ध करने वाले विधेयक को पुर:स्थापित करने की अनुमति दी जाय ।

MR. SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the acquition of the Lady Hardinge Medical College and Hospital and for the management of the Kalavati Saran Hospital, with a view to ensuring better facilities for higher medical education for women and medical facilities for women and children in the Union territory of Delhi and for matters connected therewith or incidental thereto."

The motion was adopted.

श्री राज नारायण : मैं विधेयक पुर: स्थापित† करता हूं ।

MATTERS UNDER RULE 377

(i) INADEQATE FERRY SERVICE BETWEEN MANIHARS GHAT AND SAKRIGALI GHAT ON THE EASTERN RAILWAY

श्री युवराज (कटिहार) : अध्यक्ष महोदय, मैं ने जिस विषय की ओर नियम 377 के अंतर्गत चर्चा उठाने की अनुमति आपसे प्राप्त की है वह बहुत ही लोक महत्व का है । हमारे यहां उस पिछड़े हिस्से में एकमात्र हमारे यातायात की सुविधा रेल है । एन एफ रेल से जो लोग कटिहार से उस पार ईस्टर्न रेलवे की फेरी से साहबगंज की तरफ और कलकत्ते की तरफ जाने वाली तीन गाड़ियों से आते हैं उन को नदी पार करने के लिए सौ वर्षों से लगातार दो बार ईस्टर्न रेलवे की फेरी आती जाती थी । वह अब बन्द कर दी गई । अब मात्र एक बार आती जाती है । तीन बार ट्रेन्स दिन में आती हैं । जो यात्री कटिहार की तरफ से नेपाल की तरफ से और भूटान की तरफ से आते हैं ऐसे तमाम यात्री मनिहारी घाट से क्रास कर के उस पार साहबगंज की तरफ जाते हैं । ईस्टर्न रेलवे की एक फेरी फरक्का में आईडिल पड़ी है, उस का स्टाफ आइडिल पड़ा है । फेरी सकरीमली घाट से मनिहारी घाट तक केवल एक बार आ जा रही है । मैं आप को बताऊं कि उस इलाके के साधारण किसान जो अपने होमस्टेड लैंड में सब्जी पैदा करते हैं वह भी

*Published in Gazette of India Extraordinary Part II section 2, dated 1st August, 1977.

†Introduced with the recommendation of the President.

[श्री युवराज]

अपने सिर पर सारा सामान टोकरी में ले कर साहबगंज की तरफ जहां बड़ी हाट है, वहां आते जाते हैं। इस के अलावा जो यात्री देवघर पटना और कलकत्ते की तरफ जाते हैं उन के लिए वही एक मात्र सुविधा थी जो सौ वर्षों से चली आ रही थी। वह सुविधा अभी हाल में छीन ली गई है। विगत वर्ष जब ठेकेदार अपनी प्राइवेट फेरी से लोगों को पार कर रहा था आपातकाल के जमाने की बात है, तो एक बड़ी डकैती गंगा नदी में हुई जिस में हजारों रुपये उन के छीन लिए गए और उन के ऊपर काफी मार पड़ी। आज यात्रियों की जान व माल की सुरक्षा नहीं रह गई है। इसलिए मैं आप के द्वारा रेल मंत्री का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं। क़ब्ल इस के कि मैं ने यह चर्चा आज यहां उठाई, मैं ने रेल मंत्री का ध्यान बार बार इस ओर आकृष्ट किया कि जो फेरी सौ वर्षों से ईस्टर्न रेलवे की सकरी गली घाट से मनिहारी घाट तक चल रही थी उसे दोबारा चालू कर दिया जाय। आज आप के द्वारा फिर इस सदन का ध्यान उस ओर आकृष्ट कर रहा हूं।

(ii) RISE IN WATER LEVEL OF RIVERS IN THE COUNTRY CAUSING DAMAGE TO CROPS, LIFE AND PROPERTY.

श्री विनायक प्रसाद यादव (सहरसा) : अध्यक्ष महोदय, विगत 10 या 15 जुलाई से समूचे देश की नदियों में पानी बढ़ना शुरु हो गया था। इधर चार पांच दिनों असाधारण वर्षा हुई है। उस के कारण देश की सभी नदियों में बाढ़ का पानी खतरे के निशान के ऊपर जा रहा है और लोगों की फसल और घर में पानी घुस गया है। मैं बिहार के सहरसा जिले से आता हूं। वहां कोसी का तटबन्ध बनाया गया था। कोसी तटबन्ध के बीच में लगभग 7 लाख आदमी रहते हैं। उन सभी लोगों के घरों में पानी घुस गया है और उन का जान-माल खतरे में पड़ गया है। वे चाहते हैं कि कहीं ऊंचे स्थान पर जायें लेकिन सूखे स्थान पर जाने के लिए भी उनको कोई सहारा नहीं है।

बाढ़ की समस्या कितनी जटिल और भंयकर है, इस संबंध में मैं भारत सरकार के सिचाई विभाग की तरफ से जो रिपोर्ट आई है उसके कुछ अंश मैं पढ़कर सुनाना चाहता हूं :

"The total damage due to flood in 1976 has been estimated by the State Government at Rs. 751 crores of which the damage to crops alone is Rs. 550 crores. The damage occurred in the States of Andhra, Assam, Bihar, Gujarat etc. is nearly 98 per cent of the total damage. The toll of human lives was 958. The total damage of Rs. 751 crores in 1976 is the highest during the period 1943—76. The annual damage during 1943—76 was about Rs. 205 crores."

इस रिपोर्ट से पता चलता है कि हर साल दो तीन अरब रुपए की क्षति होती रही है किन्तु गत साल 5 अरब 76 करोड़ रुपए की क्षति बाढ़ से हुई। देश में हर साल बाढ़ आती है, काफी नुकसान होता है लेकिन जब बाढ़ आ जाती है, लोगों के घरों में पानी भर जाता है, लोगों की जान और माल खतरे में पढ़ जाता है, तभी सरकार कुछ बचाव के उपाय करती है। नतीजा यह होता है कि न तो फसलों को बचाया जा सकता है और न बाढ़ में फंसे हुए लोगों को ऊंचे स्थान पर ले जाया जा सकता है। इसलिए मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि जब हर साल अरबों रुपए की क्षति हो रही है और हजारों लोगों की जानें जा रही हैं, सरकार को बाढ़ आने के पहले ही मुस्तैदी से कार्य करना चाहिए तथा फ्लड कंट्रोल का एक मास्टर प्लान बनाना चाहिए। अभी 20–25 साल से जो कार्य किया गया है उससे पता चलता है कि बाढ़ रुकने के बजाये बाढ़ का और भंयकर रूप होता जा रहा है जैसा मैंने अभी बताया सरकारी रिपोर्ट के अनुसार हर साल दो अरब का नुकसान होता था लेकिन पिछले साल करीब सात अरब रुपा